युग प्रवर्तक महर्षि दयानन्द सरस्वती

ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख–पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 20 अंक 52 कुल पृष्ठ-8 26 मार्च से 1 अप्रैल, 2026 दयानन्दाब्द 202 सृष्टि सम्वत् 1960853127 सम्वत् 2083 चै. शु.-04

आर्य समाज के महान् नेता, त्यागी–तपस्वी संन्यासी, युवाओं के प्रेरणा स्रोत पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89वें जन्मदिवस के अवसर पर 19वाँ बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ 15 मार्च, 2026 को स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ

यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश सरस्वती जी एवं मुख्य अतिथि स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी रहे

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में सैकड़ों आर्य परिवारों ने सम्मिलित होकर लिया संकल्प

कार्यक्रम का कुशल संयोजन स्वामी आदित्यवेश जी तथा महायज्ञ का कुशल संयोजन बहन पूनम आर्या एवं बहन प्रवेश आर्या ने संभाला

आर्य संन्यासियों एवं वानप्रस्थियों की गरिमामयि उपस्थित ने कार्यक्रम की विशेष शोभा बढ़ाई

॥ ओ३म् ॥
स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026
स्थान : स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली, रोहतक (हरियाणा)

आर्य समाज के महान नेता, त्यागी, तपस्वी संन्यासी, युवाओं के प्रेरणा स्रोत पूज्य स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89वें जन्मदिवस के अवसर पर 19वाँ बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ 15 मार्च, 2026 को स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक में भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस महायज्ञ में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती जी, आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक, डॉ. बलवीर आचार्य पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष एम.डी.यू., स्वामी अखिलेश योगी–हरिद्वार, डॉ. किरणमयी सेवानिवृत्त निदेशक शिक्षा विभाग हरियाणा, आचार्य वेदमित्र, प्रसिद्ध समाजसेवी कैप्टन रुद्रसेन, सार्वदेशिक सभा के उपमंत्री श्री मधुर प्रकाश, चौ. अजीत सिंह एडवोकेट पूर्व विधायक, डॉ. जगदेव सिंह विद्यालंकार, श्री दयानन्द शास्त्री, प्रिं. सुरेन्द्र सिंह शेखावत, जर्मनी से पधारे डा. राम प्रहलाद शर्मा, स्वामी विजयवेश जी, सार्वदेशकि आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय कार्यकारी प्रधान श्री बिरजानन्द एडवोकेट, कोषाध्यक्ष श्री रामनिवास आर्य, राष्ट्रीय व्यायामाचार्य श्री सहंसरपाल आर्य, भजनोपदेशिका बहन कल्याणी आर्या, नरवाना आर्य समाज से श्री इंद्रजीत आर्य, रमेश आर्य, अश्विनी आर्य, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के प्रदेश अध्यक्ष श्री दलबीर आर्य, स्वामी सूर्यवेश जी, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सज्जन सिंह राठी, महासचिव श्री अशोक आर्य, उप प्रधान श्री ऋषिराज शास्त्री, प्रदेश प्रवक्ता श्री प्रदीप कुमार, श्री अजीतपाल, श्री अशोक जांगड़ा, श्री धर्मेन्द्र कुमार–छपरौली, श्री अवनीश आर्य–रठौड़ा, श्री भंवरलाल आर्य–जोधपुर, श्री हरदेव आर्य, श्री उत्तम आर्य, मा.जगदीश रधाना, श्री बलवन्त सिंह आर्य मंत्री चौबीसी पंचायत, श्री बलवन्त आर्य न्याना, श्री जयवीर आर्य मुकलान, मा. प्रदीप कुमार रोहतक, श्री हरिकेश राविश एडवोकेट कैथल, श्री सत्यवान दुर्जनपुर, बहन मुकेश आर्या अध्यक्ष सार्वदेशिक आर्य युवती परिषद् हरियाणा, आचार्य देवदत्त शास्त्री हिसार, श्री महेंद्र पायल, डॉ. शीशराम आर्य बलम्बा, श्री पवन आर्य आहुलाना, विजयपाल आर्य, राजकुमार, श्री धर्मबीर आर्य, श्री जितेन्द्र आर्य गुमाना, श्री यज्ञवीर सिंह सुंडाना, श्री धर्मपाल आर्य गोहाना, श्री नशीब आर्य आहुलाना, आचार्य रामपाल शास्त्री, श्री चन्द्रदेव शास्त्री व श्री सोमदेव शास्त्री, श्री संजीव नरूला एवं नीरज नरूला यमुनानगर, मेजर विजय आर्य–मोहाली चण्डीगढ़, श्री बाबूलाल आर्य व श्री इंद्र सिंह आर्य सेवानिवृत्त एस.डी.एम, मास्टर अर्जुन सिंह, श्री अर्जुन सिंह सेवानिवृत्त डी.एस.पी., डॉ. परविन्दर कुमार, श्री सत्यव्रत दलाल, डॉ. विवेकानन्द शास्त्री, श्री नरोत्तम आर्य, रेवाड़ी, बहन सरिता आर्या–हरिद्वार, श्रीमती मधु शास्त्री व श्रीमती सुमेधा शास्त्री–पानीपत, निशांत आर्य, मा. श्यामलाल व श्री सत्यवीर आर्य कैथल, श्री जयपाल आर्य, डॉ. होशियार सिंह, जगमती मलिक, जिला आर्य प्रतिनिधि सभा बागपत के पूर्व प्रधान श्री ब्रह्मापाल आर्य, आर्य समाज निरपुडा से श्री ब्रजपाल आर्य, श्री पवन आर्य एवं श्री संजिल आर्य, बुढ़ाना से श्री संजीव आर्य, श्री सुशील आर्य बपौली, आर्य समाज टिटौली से प्रधान श्री जयपाल आर्य, महावीर ठेकेदार श्री बलजीत आर्य, श्री महासिंह आर्य, श्री जिले सिंह आर्य, श्री वीरेंद्र कुंडू, श्री नरेश पंडित, डॉ. नारायण सिंह, श्री धर्मदेव वशिष्ठ, श्री प्रतीक आर्य, श्री जिले सिंह सैनी, डॉ. महावीर आर्य, श्री पवन कुंडू, पूनम कुंडू आर्या, बबिता आर्या, रोशनी आर्या, प्रीति आर्या, कमलेश आर्या, शीला आर्या, रश्मि आर्या, शकुंतला, नीलम कविता सुदेश, सुनीता, सुमित्रा, सुनीता कुंडू, सावित्री, सरोज, अंगूरी देवी, कमला के अतिरिक्त बेटी बचाओ अभियान से पूजा आर्या, अंजू आर्या, अंजलि आर्या, अंतिम, अंकिता आर्या, शीतल, रिया आर्या, काफ़ी, हिमांशी, स्नेह, रूबी, रेखा, सुनीता मल्हान, मुश्कान, सुषमा, एकता आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

समापन समारोह में आर्य भारतीय आर्य भजनोपदेशक के महामंत्री डॉ. कैलाश कर्मठ, विदुषी आर्य भजनोपदेशिका बहन कल्याणी आर्या, स्वामी मुक्तिवेश, श्री मधुरम आर्य–अमृतसर एवं महाशय रणवीर सिंह आर्य के भजनों का कार्यक्रम अत्यन्त प्रभावशाली रहा। दोनों दिन ''एक शाम महर्षि दयानन्द के नाम'' भजन संध्या का विशेष आयोजन किया गया।

वैदिक विद्वान् आचार्य कमल नारायण आर्य के यज्ञ एवं यज्ञो पैथी पर प्रभावशाली प्रवचनों ने श्रोताओं पर अमिट छाप छोड़ी।

इस महायज्ञ में मुख्य यजमान श्री हरिकेश राविश एडवोकेट एवं उनकी

अगले पृष्ठ पर जारी

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

पृष्ठ 1 का शेष

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ में सैकड़ों आर्य परिवारों ने सम्मिलित होकर लिया संकल्प

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026
13 मार्च 2026
रक्तदान शिविर
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक
15 मार्च 2026
आर्य सम्मेलन

धर्मपत्नी श्रीमती चन्द्रसुखी आर्या रहे, उनका सहयोग उनकी छोटी बहन श्रीमती राजकली आर्या ने किया।

इस चुतुर्वेद पारायण महायज्ञ की पूर्णाहुति के अवसर पर सैकड़ों आर्य परिवारों ने महायज्ञ में सम्मिलित होकर कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, धार्मिक अन्धविश्वास, गौहत्या आदि सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध आहुति देकर संकल्प लिया। इस अवसर पर स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ आश्रम, टिटौली, रोहतक, हरियाणा की ओर से आर्य संन्यासियों तथा आर्य परिवारों को स्मृति चिन्ह एवं ओ३म् पट्ट भेंट करके सम्मानित किया गया।

यज्ञ की पूर्णाहुति का कार्यक्रम विशाल यज्ञशाला में सैकड़ों यजमानों की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। यज्ञ के ब्रह्मा स्वामी वेद प्रकाश सरस्वती जी तथा वेदपाठी श्री अमित शास्त्री एवं श्री अंकित शास्त्री की भूमिका अत्यन्त प्रशंसनीय रही। यज्ञ की पूर्णाहुति करवाते समय स्वामी वेद प्रकाश जी ने यजमानों को यज्ञ के सम्बन्ध में विशेष जानकारी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपना उद्बोधन देते हुए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने कहा कि परिवारों में प्रतिदिन यज्ञ होना चाहिए। इन्हीं उद्देश्यों को लेकर चतुर्वेद पारायण महायज्ञ भी प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है जिसमें हजारों लोगां को कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, धार्मिक अन्धविश्वास एवं गौहत्या आदि सामाजिक बुराईयों के विरुद्ध संकल्प दिलवाये जाते हैं।

आयोजन का संयोजन स्वामी आदित्यवेश जी, चतर्वेद पारायण महायज्ञ का संयोजन बहन पूनम आर्या जी व सम्पूर्ण कार्यक्रम की व्यवस्था बहन प्रवेश आर्या जी ने अपनी सहयोगी कार्यकर्ताओं के सहयोग से संभाला।

इस कार्यक्रम में लगभग 75 आर्य संन्यासी एवं वानप्रस्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्त में आर्य संन्यासियों, आर्य परिवारों, सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् के कार्यकर्ताओं का विशेष सम्मान किया गया।

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ की चित्रमय झलकियाँ

के 89वें जन्मदिवस के अवसर पर कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी के विरुद्ध संकल्प हेतु
19वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
महायज्ञ

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज
19वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
महायज्ञ
रोहतक

19वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
महायज्ञ

19वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
महायज्ञ

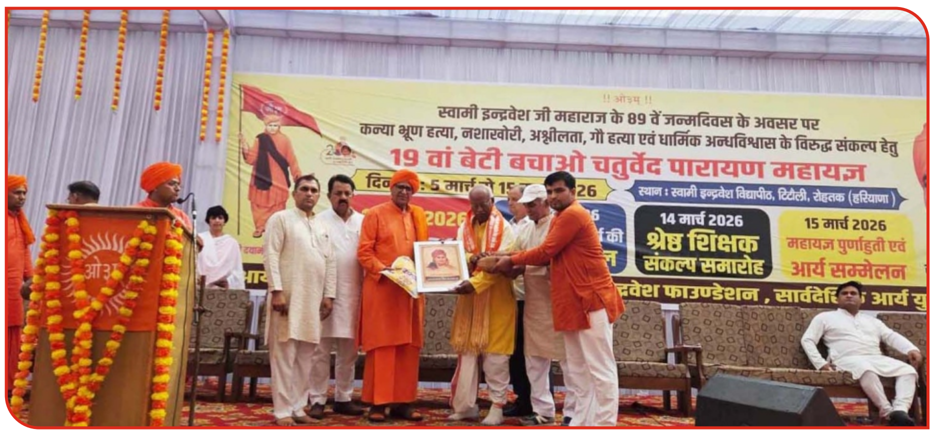
स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
स्थान : स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली, रोहतक (हरियाणा)
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक संकल्प समारोह
15 मार्च 2026
महायज्ञ पूर्णाहुति एवं आर्य सम्मेलन

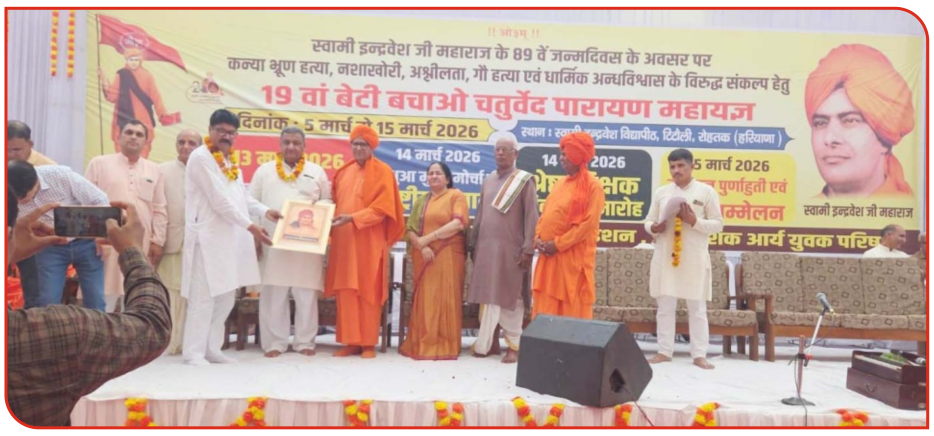
स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
15 मार्च 2026
स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ की चित्रमय झलकियाँ

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महा

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक
संकल्प समारोह

19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
15 मार्च 2026
महायज्ञ पूर्णाहुति एवं
आर्य सम्मेलन

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या
19 वां बेटी बचाओ चतु
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
15 मार्च 2026
आर्य सम्मेलन

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक
संकल्प समारोह

स्वामी इंद्रवेश जी महाराज
बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण
महायज्ञ

19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पाराय
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक
संकल्प समा

कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धा
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026

चतुर्वेद पारायण महायज्ञ की चित्रमय झलकियाँ

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026
14 मार्च 2026
15 मार्च 2026

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026
15 मार्च 2026
आर्य सम्मेलन

कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धा
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद प
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
युवक परिषद

कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मि
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद प
श्रेष्ठ
संकल

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
15 मार्च 2026
महायज्ञ पूर्णाहुति एवं
आर्य सम्मेलन

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026
15 मार्च 2026
महायज्ञ पूर्णाहुति एवं
आर्य सम्मेलन

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
आर्य युवक परिषद

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महा
दिनांक : 5 मार्च से 15 मार्च 2026

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विर
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण मह
स्थान : स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, रिटोली,
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक
संकल्प समारोह
इन्द्रवेश फाउण्डेशन

स्वामी इन्द्रवेश जी महाराज के 89 वें जन्मदिवस के अवसर पर
कन्या भ्रूण हत्या, नशाखोरी, अश्लीलता, गौ हत्या एवं धार्मिक अन्धविश्वास के विरुद्ध संकल्प हेतु
19 वां बेटी बचाओ चतुर्वेद पारायण महायज्ञ
14 मार्च 2026
श्रेष्ठ शिक्षक
संकल्प समारोह
15 मार्च 2026
आर्य युवक परिषद

आर्य उप प्रतिनिधि सभा देवबंद एवं जिला आर्य प्रतिनिधि सभा सहारनपुर के संयुक्त तत्वावधान में देवबंद में वैदिक धर्म जागृति सम्मेलन एवं शोभायात्रा का भव्य आयोजन हुआ सम्पन्न

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को प्रबल करना होगा – स्वामी यतीश्वरनन्द

आजादी के आंदोलन में आर्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान –स्वामी आदित्यवेश

आर्य समाज के 150 वें स्थापना वर्ष पर
आर्य समाज 150
वैदिक जागृति धर्म सम्मेलन एवं शोभा यात्रा
आर्य समाज के 150 वें स्थापना दिवस पर
26 फरवरी 2026, बृहस्पतिवार
Galaxy S20 FE 5G

आर्य उप प्रतिनिधि सभा देवबंद एवं जिला आर्य प्रतिनिधि सभा सहारनपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 26 फरवरी, 2026 को देवबंद में वैदिक धर्म जागृति सम्मेलन एवं शोभायात्रा का भव्य आयोजन सफलता पूर्वक हुआ सम्पन्न। यह कार्यक्रम महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जन्म जयंती वर्ष, आर्य समाज के स्थापना दिवस तथा स्वतंत्रता सेनानी एवं गुरुकुल कांगड़ी के संस्थापक स्वामी श्रद्धानंद की 170वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में हरिद्वार से पधारे पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि यदि भारत को पुनः विश्वगुरु के पद पर प्रतिष्ठित करना है तो "वसुधैव कुटुंबकम" की भावना को समाज में सशक्त करना होगा। उन्होंने कहा कि देश की उन्नति और प्रगति का मार्ग सामाजिक सौहार्द, समरसता और नैतिक मूल्यों से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती ने "वेदों की ओर लौटो" का आह्वान इसलिए किया था क्योंकि जब तक भारतवासी वेदों के आदर्शों पर जीवन जीते रहे, तब तक भारत विश्व का नेतृत्व करता रहा। आर्य समाज द्वारा संचालित "सप्तक्रांति संकल्प अभियान" के माध्यम से जातिवाद, साम्प्रदायिकता, धार्मिक अंधविश्वास, नारी उत्पीड़न, नशाखोरी, भ्रष्टाचार एवं शोषण जैसी कुरीतियों से मुक्त समाज के निर्माण का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश को मानसिक, शैक्षिक और आर्थिक गुलामी से मुक्त करने के लिए प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति, आयुर्वेद और स्वदेशी को प्राथमिकता देना आवश्यक है। महर्षि दयानंद सरस्वती ने लगभग 150 वर्ष पूर्व 'सत्यार्थ प्रकाश' में अनिवार्य, समान एवं निशुल्क शिक्षा की आवश्यकता पर बल दिया था। उन्होंने स्वभाषा और स्वराज्य के संकल्प को चरितार्थ करने का आह्वान किया।

सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय महासचिव एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता स्वामी आदित्यवेश जी ने कहा कि आजादी के आंदोलन में आर्य समाज एवं उसके कार्यकर्ताओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने बताया कि स्वामी श्रद्धानंद के 100वें बलिदान दिवस के अवसर पर हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें देश–विदेश से एक लाख से अधिक कार्यकर्ताओं के सहभागी होने की संभावना है। सम्मेलन में देश में वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली पर प्रबुद्ध विद्वान विचार–विमर्श करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी एक वर्ष में विभिन्न संगठनों के माध्यम से एक लाख युवाओं को आर्य समाज से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

श्री अनूप राठी ने कहा कि यह वर्ष आर्य समाज की स्थापना का 150वां वर्ष है। बीते डेढ़ शताब्दी में आर्य समाज ने स्वतंत्रता आंदोलन, नारी शिक्षा, सामाजिक समरसता तथा कुरीतियों के उन्मूलन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विपिन आर्य ने बताया कि इस उपलक्ष्य में देशभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इस अवसर पर "घर–घर यज्ञ" मुहिम को सफल बनाने वाले तथा 'सत्यार्थ प्रकाश' प्रतियोगिता में उत्तीर्ण लगभग 50 कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ, जिसका ब्रह्मत्व अमरेश शास्त्री ने किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

सम्मेलन के पश्चात स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व में शोभायात्रा निकाली गई। राज्यपाल के नाम ज्ञापन एसडीएम को सौंपा गया। इस अवसर पर विभिन्न जनपदों मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हरिद्वारे से आए पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक राजबीर आर्य रहे, अध्यक्षता श्री अशोक बहादुर आर्य (शामली) ने की तथा मंच संचालन चौधरी विपिन आर्य ने किया।

कार्यक्रम में सर्वश्री कृष्णानंद स्वामी, रामानंद स्वामी, शांतनु आनंद मणि तथा जिला आर्य प्रतिनिधि सभा मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, शामली एवं हरिद्वार के अधिकारीगण एवं देवबंद के सभी स्थानीय आर्य नेता और कार्यकर्ताओं के अतिरिक्त श्री महीपाल आर्य (प्रधान, जिला सभा), जिला मंत्री अवनीश आर्य, रामकिशोरी आर्य, मांगेराम आर्य (पूर्व प्रधान), देवेंद्र आर्य (पूर्व प्रधान), अनिल आर्य, मा. जनेश्वर प्रसाद, श्री मुकेश आर्य (प्रधान, तहसील सभा), डॉ. सुरेंद्र आर्य (मंत्री, तहसील सभा), श्री अजब सिंह आर्य (कोषाध्यक्ष, तहसील सभा, देवबंद), अमरीश आर्य, मुकेश आर्य, पंकज आर्य, कन्हैया आर्य, विनोद आर्य, विकास आर्य, विजयपाल आर्य, शिवराज आर्य, डॉ. महावीर सिंह आर्य, यशपाल आर्य, अनुराग आर्य, देवीदयाल आर्य, जनकवीर आर्य, अनिल त्यागी (भजनोपदेशक) एवं सुरेंद्र आर्य शामिल रहे। इसके अतिरिक्त स्वामी सुतिक्ष जी, स्वामी शांतनु जी, स्वामी ओमानंद, मधु शास्त्री, सरिता वानप्रस्थी, नरेशना आर्या, रचना, उषा धीमान, डॉ. कान्ता त्यागी, मंजू शर्मा, सुनीता आर्या, पूनम, संगीता, सोनिया एवं रहती देवी सहित हजारों की संख्या में आर्य बंधु उपस्थित रहे।

जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा एवं श्री शम्भू दयाल वैदिक संन्यास आश्रम गाजियाबाद के संयुक्त तत्वावधान में

नवसम्वतसर एवं आर्य समाज स्थापना दिवस के अवसर पर विशाल आर्य सम्मेलन भव्यता के साथ हुआ सम्पन्न

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी रहे मुख्य वक्ता

जिला आर्य उपप्रतिनिधि सभा, आर्य केन्द्रीय सभा एवं श्री शम्भू दयाल वैदिक संन्यास आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 18 व 19 मार्च 2026 को विशाल आर्य सम्मेलन भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रातः एवं सायं यज्ञ का विशेष आयोजन किया गया जिसमें बालमीकि परिवारों को यजमान बनाया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा पद को आचार्य रणवीर शास्त्री ने सुशोभित किया। इस दो दिवसीय आर्य सम्मेलन में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। उनके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री श्री नरेन्द्र कश्यप, आचार्य रणवीर शास्त्री, जिला सभा के संरक्षक पं. श्रद्धानन्द शर्मा, समाजसेवी श्री सुभाष गर्ग, श्री विजयपाल कसाना, श्री ओम प्रकाश आर्य, श्री नरेश त्यागी, श्री सुरेन्द्र पाल आर्य, श्री कृष्ण मुनि आदि भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रसिद्ध आर्य भजनोपदेशक श्री वेदपाल आर्य के भजनों का कार्यक्रम अत्यन्त प्रशंसनीय रहा। कार्यक्रम में मंच का संचालन जिला सभा के मंत्री श्री सत्यवीर चौधरी, कोषाध्यक्ष श्री नरेन्द्र पांचाल एवं संन्यास आश्रम के व्यवस्थापक श्री सत्यकेतु सिंह एडवोकेट ने किया। यह दो दिवसीय आयोजन वैदिक संस्कृति, आध्यात्मिक जागरण तथा समाज सुधार के उद्देश्यों को समर्पित रहा, जिसमें विद्वानों, संन्यासियों, आर्यजनों तथा श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सम्मेलन का उद्‌घाटन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने ओ३म् ध्वज फहराकर किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक परंपरा के अनुरूप यज्ञ के साथ हुआ। यज्ञब्रह्मा आचार्य रणवीर आर्य के सान्निध्य में संपन्न इस यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में श्रीमती भावना गुप्ता, श्री राजीव गुप्ता, श्रीमती मृदुला अग्रवाल, श्री विनोद प्रकाश अग्रवाल, डॉ. आर. के. आर्य एवं श्री प्रवीण आर्य सहित अनेक श्रद्धालु सम्मिलित हुए। यज्ञ के माध्यम से वातावरण को शुद्ध, पवित्र और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण किया गया। आचार्य रणवीर आर्य ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती द्वारा प्रतिपादित पंचमहायज्ञ मानव जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। ये यज्ञ न केवल हमारी आध्यात्मिक चेतना को जागृत करते हैं, बल्कि व्यक्ति के जीवन में संतुलन, संयम और आत्मबल का भी विकास करते हैं।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपने प्रेरणादाई उद्‌बोधन में कहा कि सच्चे अर्थों में अध्यात्म का मार्ग अपनाने के लिए महर्षि पतंजलि के अष्टांग योग का अनुसरण आवश्यक है। विशेष रूप से यम और नियम का पालन मनुष्य के चरित्र निर्माण का आधार है। जब व्यक्ति आत्मानुकूल आचरण करते हुए ईश्वर की ओर उन्मुख होता है, तब उसका जीवन सफल बनता है और उसे मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है।

स्वामी आर्यवेश जी ने आगे कहा कि मनुष्य को इस संसार में विद्यमान तीन प्रमुख तत्वों – ईश्वर, जीव और प्रकृति का यथार्थ ज्ञान होना चाहिए। इन तीनों का सम्यक बोध ही पूर्ण अध्यात्म का आधार है। उन्होंने एक अत्यंत व्यावहारिक और उपयोगी संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को रात्रि में सोने से पूर्व कुछ समय निकालकर अपने दिनभर के कार्यों की आत्म समीक्षा अवश्य करनी चाहिए। यदि कोई भूल हुई हो, तो उसका प्रायश्चित्त करना चाहिए, जिससे वह त्रुटि पुनः न हो। उन्होंने गायत्री मंत्र के जप पर विशेष बल देते हुए कहा कि यह मंत्र बुद्धि के शुद्धिकरण और दिव्य मार्गदर्शन का साधन है। परमात्मा मनुष्य की बुद्धि को प्रकाशमान कर उसके जीवन को सही दिशा प्रदान करता है।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक श्री वेदपाल आर्य ने अपने सुमधुर और ओजस्वी भजनों के माध्यम से महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के जीवन, उनके आदर्शों तथा आर्य समाज की महानता का भावपूर्ण चित्रण प्रस्तुत किया। उन्होंने भक्तिपूर्ण भजनों के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर दिया और वातावरण को भक्ति एवं श्रद्धा से ओत–प्रोत कर दिया।

सम्मेलन के अध्यक्ष आचार्य श्री कृष्ण मुनि ने अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में कहा कि स्वामी दयानन्द सरस्वती जी द्वारा प्रतिपादित आर्य समाज के दस नियम मानव जीवन के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस तथ्य पर प्रकाश डाला कि समस्त सत्य विद्या और जिन पदार्थों को विद्या द्वारा जाना जाता है, उनका आदि मूल परमेश्वर है। उन्होंने कहा कि जब मनुष्य ईश्वर, जीव और प्रकृति के स्वरूप को सही रूप में समझ लेता है, तब उसका अध्यात्म पूर्ण हो जाता है।

इस आध्यात्मिक सम्मेलन का मंच संचालन श्री नरेन्द्र पांचाल जी द्वारा अत्यंत कुशलता के साथ किया गया। उन्होंने पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करते हुए उपस्थित सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अनेक गणमान्य आर्यजन एवं समाजसेवी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से श्री सेवा राम त्यागी, डॉ. प्रमोद सक्सेना, स्वामी सूर्यवेश, आश्रमाचार्य श्री जितेंद्र आर्य, श्री सुभाष शर्मा, श्री वेद व्यास, चौधरी मंगल सिंह, श्री देवेंद्र मेहता, डॉ. प्रतिभा सिंघल, आशा आर्या, श्री प्रवीण आर्य प्रेस प्रवक्ता, श्री यज्ञवीर चौहान, श्री सुरेश आर्य, श्री कृष्ण कुमार यादव, श्री महिपाल सिंह तोमर, श्री इन्द्रवीर भाटी एडवोकेट, श्री वीरेन्द्र सरदाना आदि के नाम उल्लेखनीय हैं।

सायंकालीन सत्र में सामाजिक समरसता सम्मेलन का महत्त्वपूर्ण आयोजन किया गया था जिसमें स्वामी आर्यवेश जी, श्री नरेन्द्र कश्यप मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार व आचार्य रणवीर शास्त्री ने जन्मना जाति प्रथा व छूआछूत के सम्बन्ध में महर्षि दयानन्द और आर्य समाज की भूमिका पर प्रकाश डाला। आर्य समाज जन्म के आधार पर ऊँच–नीच और छूआछू को नहीं मानता बल्कि गुण, कर्म और स्वभाव के अनुसार वैदिक वर्ण व्यवस्था का समर्थक है।

19 मार्च, 2026 को चैत्र प्रतिपदा नवसम्वतसर एवं आर्य समाज स्थापना दिवस केन्द्रित करके विद्वानों ने आर्य समाज की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला और उपस्थित आर्यजनों को संकल्प दिलवाये। इस महत्त्वपूर्ण सम्मेलन का संयोजन श्री सत्यवीर चौधरी ने तथा अध्यक्षता पं0 श्रद्धानन्द शर्मा ने की। श्री ओम प्रकाश आर्य स्वागताध्यक्ष रहे।

यह आध्यात्मिक सम्मेलन न केवल आर्य समाज की स्थापना के ऐतिहासिक महत्व को पुनः स्मरण कराने वाला था, बल्कि वर्तमान समय में वैदिक सिद्धांतों की प्रासंगिकता को भी उजागर करने वाला सिद्ध हुआ। इस आयोजन ने समाज में नैतिकता, आध्यात्मिकता और वैदिक संस्कृति के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा उपस्थित सभी महानुभावों को एक नवीन ऊर्जा, प्रेरणा और दिशा प्रदान की।

समारोह का समापन शांतिपाठ एवं ऋषि लंगर के साथ हुआ। शांतिपाठ के माध्यम से समस्त विश्व के कल्याण, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की गई। तत्पश्चात सभी उपस्थित श्रद्धालुओं ने ऋषि लंगर में प्रसाद ग्रहण किया।

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य समाज के त्यागी, तपस्वी एवं तेजस्वी संन्यासी, सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें :- ***www.facebook.com/SwamiAryavesh*** व फेसबुक पेज को लाइक करें तथा अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।

ई–मेल : aryavesh@gmail.com
दूरभाष : 011-23274771, 42415359

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

शुभ सूचना ओ३म् शुभ सूचना

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा द्वारा प्रकाशित

ऋषिवर दयानन्द सरस्वती द्वारा विरचित
अद्भुत और अनुपम कालजयी ग्रन्थ

1100/– रुपये में उपलब्ध है

सत्यार्थ प्रकाश

बड़े साईज में उपलब्ध

हिन्दी के एक बड़े सत्यार्थ प्रकाश के साथ छोटे साईज का अंग्रेजी का सत्यार्थ प्रकाश मुफ्त में उपलब्ध है।

स्वामी दयानन्द सरस्वती जी द्वारा लिखित कालजयी ग्रन्थ 'सत्यार्थ प्रकाश' को आप अपने आर्य समाज, स्कूल, कॉलेज में रखें तथा इष्ट मित्रों एवं नव–दम्पत्तियों को भेंट करके पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

बड़े साईज का सत्यार्थ प्रकाश बढ़िया कागज तथा सुन्दर बाईंडिंग के साथ तैयार कराया गया है जिसे बिना चश्मे के भी पढ़ा जा सकता है।

हिन्दी के बड़े सत्यार्थ प्रकाश के साथ जो अंग्रेजी का सत्यार्थ प्रकाश दिया जा रहा है वह भी सुन्दर कागज तथा आकर्ष बाईंडिंग में तैयार कराया गया है

20X30 का चौथा साईज

उपरोक्त पुस्तक को मंगाने के लिए नीचे दिये गये दूरभाष नम्बर तथा ई–मेल आई.डी. पर बुक कराकर मंगा सकते हैं। डाक से मंगाने पर डाक व्यय का अतिरिक्त खर्च देना होगा।

–: प्रकाशक :–

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, "दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002
दूरभाष — 011—23274771, 011—42415359, मो.:—9868211979, 8218863689
ई-मेल : ***sarvadeshikarya@gmail.com, sarvadeshik@yahoo.co.in***

आर्य समाज नबी करीम, सदर, दिल्ली के तत्वावधान में होली मिलन समारोह एवं नव–संस्येष्टि पर्व भव्यता के साथ हुआ सम्पन्न

आर्य समाज नबी करीम, सदर, दिल्ली के तत्वावधान में होली मिलन समारोह एवं नव–संस्येष्टि पर्व दिनांक 1 मार्च, 2026 को श्री जगमन्दर सिंह कण्डेरा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन आचार्य ऋषिपाल शास्त्री जी ने कर्मठता से निभाया। इस अवसर पर समाज के प्रधान श्री सुशील नागपाल, श्री मोहन वासन, श्री अवधेश कुमार गुप्ता, श्री प्रदीप कुमार (डिप्टी), श्री ब्रह्मप्रकाश, श्री जय प्रकाश, श्री मनोहर लाल, श्री नरेन्द्र सूद, श्री प्रवीण आर्य, श्री राहुल आर्य, श्री हंसराज, श्री तोताराम, श्री वरुण हीरा व गणमान्य महानुभावों के साथ–साथ क्षेत्र की महिलाएँ एवं बच्चों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम प्रातः 10 बजे से यज्ञ के द्वारा सम्पन्न किया गया। यज्ञ के ब्रह्मा पद को श्री अशोक कुमार शास्त्री जी ने सुशोभित किया। यजमान श्री विनय कुमार धर्मपत्नी श्रीमती वैदिका जी रहे। यज्ञ के उपरान्त 11 बजे से 1 बजे तक आचार्या अमृता आर्या जी ने अपने सुमधुर संगीत के माध्यम से होली के सच्चे स्वरूप को समझाने का प्रयास किया। आचार्या जी के संगीत को सुनकर श्रोतागण मन्त्रमुग्ध हो गये। इस अवसर पर आचार्य रघुराज शास्त्री, आचार्य घनश्याम, आचार्य प्रेमचन्द शास्त्री व श्री चन्द्रमोहन कपूर जी के वैदिक उपदेशों को भी श्रोतागणों ने दत्तचित्त होकर श्रवण किया।

होली मिलन समारोह में श्री कमल बागड़ी (निगम पार्षद) विशेष अतिथि के रूप में पधारकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई तथा श्री श्यामलाल मेरवाल, श्रीमती लता सोढ़ी, श्री रामलाल बंसल, श्रीमती अंजना गुप्ता, श्री विजय सचदेवा, श्री लक्ष्मी प्रसाद पण्डित जी भी अतिथि के रूप में पधारकर अपना आशीर्वाद एवं स्नेह प्रदान किया। होली मिलन समारोह का यह कार्यक्रम पूर्ण उत्साह एवं भव्यता के वातावरण में सम्पन्न हुआ।

'वैदिक सार्वदेशिक' पत्र के स्वामित्व आदि सम्बन्धी विवरण

फार्म 4 नियम 8

(प्रेस एण्ड रजिस्ट्रेशन ऑफ बुक एक्ट)

प्रकाशन का स्थान : दयानन्द भवन, 3/5, आसफ अली रोड, (रामलीला मैदान), नई दिल्ली–02
प्रकाशन की अवधि : साप्ताहिक
प्रकाशन का समय : प्रति बृहस्पतिवार
मुद्रक का नाम : प्रो. विट्ठलराव आर्य
क्या भारत का नागरिक है : हां
मुद्रक का पता : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दयानन्द भवन, 3/5, आसफ अली रोड (रामलीला मैदान), नई दिल्ली–110002
सम्पादक का नाम : प्रो. विट्ठलराव आर्य
क्या भारत का नागरिक है : हां
सम्पादक का पता : पूर्ववत्
उन व्यक्तियों के नाम-पते जो समाचार-पत्र के स्वामी हों तथा समस्त पूंजी के 1 प्रतिशत से अधिक के साझेदार/हिस्सेदार हों : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, दयानन्द भवन, 3/5, आसफ अली रोड (रामलीला मैदान), नई दिल्ली–110002

मैं प्रो. विट्ठलराव आर्य इस लेख पत्र के द्वारा घोषणा करता हूं कि उपर्युक्त विवरण, जहां तक मेरा ज्ञान और विश्वास है, सही है।

प्रो. विट्ठलराव आर्य, सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व सम्पादक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा मुद्रक - थॉमस पुलटू एवं मुद्रणालय - ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से मुद्रित। (दूरभाष : 011-23274771, 42415359)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : ***sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com*** वैबसाइट : ***www.vedicaryasamaj.com***

वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।